भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3744

सोमवार, 24 मार्च, 2025/03 चैत्र, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

इको-टूरिज्म केन्द्रों में प्लास्टिक प्रदूषण

†3744. डॉ. एम. पी. अब्दुस्समद समदानी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सराकर ने देश भर के इको-टूरिज्म केन्द्रों में प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए विशिष्ट उपाय किए हैं;

(ख) यदि हां, तो नीतियां, जागरूकता अभियानों और प्रवर्तन तंत्रों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार का इन संवेदनशील क्षेत्रों में प्लास्टिक अपशिष्ट को नियंत्रित करने के लिए कड़े विनियम लागू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार द्वारा सतत् पर्यटन पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए इको-टूरिज्म स्थलों हेतु ''प्लास्टिक मुक्त प्रमाणन'' शुरू करने पर विचार किए जाने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) प्रमाणन के लिए किन मानदंडों का उपयोग किए जाने की संभावना है और सरकार पर्यटन हितधारकों द्वारा इसका सख्त अनुपालन किस प्रकार सुनिश्चित करेगी?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ड.): प्रदूषण की रोकथाम सहित पर्यटन स्थलों का विकास और रखरखाव संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा अपने समकक्ष राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों (एसपीसीबी) के साथ मिलकर पर्यावरण प्रदूषण के निवारण और नियंत्रण से संबंधित कानूनों का कार्यान्वयन किया जाता है।

सतत पर्यटन के लिए मंत्रालय द्वारा तैयार की गई राष्ट्रीय कार्यनीति का एक प्रमुख स्तंभ पर्यावरणीय स्थिरता है। इस कार्यनीति के अनुरूप, ट्रैवल फॉर लाइफ कार्यक्रम शुरू किया गया है ताकि देश में सतत पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके और पर्यटकों और पर्यटन व्यवसायों को सतत पर्यटन पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाते हुए सतत और जिम्मेदारीपूर्ण पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के रूप में नया रूप प्रदान किया गया है। यह योजना पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता और आर्थिक स्थिरता सहित सतत पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

गोवा में चौथे जी20 पर्यटन कार्य समूह के साथ-साथ पर्यटन मंत्रालय ने 19 जून, 2023 को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) के सहयोग से 'पर्यटन में प्लास्टिक की एक चक्रीय अर्थव्यवस्था की ओर - वैश्विक पर्यटन प्लास्टिक पहल' विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस आयोजन में पर्यटन मूल्य श्रृंखला में चक्रीय दृष्टिकोण के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण के निवारण के लिए पर्यटन हितधारकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया था।

*****